प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 38 अंक 1 जनवरी 2014

इस अंक में

संवाद 3

लेख

1.	विज्ञान शिक्षण में कला एवं सौंदर्यशास्त्र की भूमिका	रुचि वर्मा	5
2.	कहानी – शिक्षा का एक रुचिकर माध्यम	रीतू चंद्रा	11
3.	कक्षा-कक्ष में कविता	अक्षय कुमार दीक्षित	16
4.	सीखने के लिए पठन कौशलों की अनिवार्यता	कुलदीप गैरोला	22
5.	किताबों ने जगाई पढ़ने में रुचि	अंजुला सागर	28
6.	मेरा शिक्षक सब कुछ जानता है – आवश्यकता शिक्षक-प्रशिक्षण की	अपर्णा पाण्डेय	32
7.	मित्र को पत्र	सुधीर श्रीवास्तव	36
8.	शिशु उद्दीपन क्रियाएँ	पद्मा यादव	42
9.	मेरी कक्षा का एक घंटा	सुनील वर्मा	51

पठनीय

10.	भाषाओं के बदलते संदर्भ – पुस्तक-भाषा और अधिगम	शारदा कुमारी	58

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी NCERT

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं– (i) अनुसंधान और विकास, (ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार।

यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।

उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है– विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

शोध

11.	बच्चों द्वारा खेले जाने वाले खिलौनों का उनके आक्रामक व्यवहार पर प्रभाव का अध्ययन	प्रशांत अग्निहोत्री प्रातेश कुमार	63

बालमन कुछ कहता है

12.	मैं टीचर बनना चाहती हूँ	विजेता कुमारी	77
13.	मैं डॉक्टर बनना चाहती हूँ	सुनिती कुमारी	78

कविता

14.	मनोबल	अंशुमान दुबे	79
15.	मेरी समस्या	वीरा लायल	